राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, झारखण्ड
State Level Bankers' Committee, Jharkhand

संयोजक : बैंक ऑफ़ इंडिया

पत्रांक संख्या : रा॰ स्त॰ बै॰ स॰ / 2023-24/ 382 दिनांक : 26.06.2023

**राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, झारखंड के समस्त सदस्यों को पत्र**

महोदय / महोदया,

**विषय:- राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, झारखंड की 83वीं त्रैमासिक (मार्च 2023) समीक्षा बैठक की कार्यवृत्त**

कृपया दिनांक 31.05.2023 को आयोजित राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, झारखंड की 83वी॰ त्रैमासिक बैठक का संदर्भ ग्रहण करें।

उक्त बैठक की कार्यवृत्त एवं कृत कार्यवाही रिपोर्ट आपके सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न किया जा रहा है, साथ ही हम आप सभी को अवगत कराना चाहते हैं कि संलग्न कार्यवृत्त को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति झारखंड की वेबसाइट (www.slbcjharkhand.in) पर भी उपलब्ध कराया गया है।

आपसे अनुरोध है कि कृपया विभिन्न कार्य बिंदुओं पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए अद्यतन प्रगति हमें दिनांक 15 जुलाई 2023 तक प्रेषित करने का कष्ट करें, ताकि तदनुसार आगामी बैठक में इनका समावेशन किया जा सके।

भवदीय,

उप महाप्रबंधक
**राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, झारखण्ड**
संगलन:- उपरोक्त अनुसार

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, झारखण्ड
संयोजक: बैंक ऑफ इंडिया
दिनांक: 31.05.2023
स्थान– होटल रेडिसन ब्लू

## राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, झारखण्ड की 83वीं त्रैमासिक बैठक की कार्यवृत

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, झारखण्ड की 83वीं त्रैमासिक बैठक दिनांक 31.05.2023 को होटल रेडिसन ब्लू , राँची के जीबीआर सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में माननीय वित्त मंत्री, झारखंड सरकार, डॉ रामेश्वर उरांव मुख्य अतिथि के तौर पर सम्मिलित हुए। वित्तीय सेवा विभाग - वित्त मंत्रालय भारत सरकार से आए – आर्थिक सलाहकार - श्री सुधीर श्याम जी सभा में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी , श्री रजनीश कर्नाटक जी ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, झारखण्ड की 83वीं त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में राज्य सरकार के वित्त विभाग के प्रधान सचिव श्री अजय कुमार सिंह एवं विशेष सचिव श्रीमति दीप्ति जयराज , भारतीय रिजर्व बैंक-राँची के महाप्रबंधक (प्रभारी अधिकारी) श्री संजीव सिन्हा, नाबार्ड-झारखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय- राँची के मुख्य महाप्रबंधक श्री सुनील कुमार जहांगीरदार ने भाग लिया। एस.एल.बी.सी झारखण्ड के संयोजक बैंक, बैंक ऑफ इंडिया,एनबीजी- झारखण्ड के महाप्रबंधक श्री मनोज कुमार, एस.एल.बी.सी- झारखण्ड के उप महाप्रबंधक श्री सुबोध कुमार मंच पर उंपस्थित थे। इनके अतिरिक्त यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, झारखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक श्री बैजनाथ सिंह, केनरा बैंक के महाप्रबंधक श्री श्रीनाथ जोशी , अन्य सभी बैंकों के राज्य प्रमुख तथा सभी जिलों के अग्रणी जिला प्रबन्धक एवं केंद्र/राज्य सरकार के महत्वपूर्ण विभागों के वरीय अधिकारीगण भी बैठक में उपस्थित हुए।

क) सर्वप्रथम , मुख्य अतिथि श्री रामेश्वर उरांव , विशिष्ट अतिथि श्री सुधीर श्याम तथा मंचासीन अन्य गणमान्यों के कर कमलों से एस.एल.बी.सी द्वारा संकलित कार्यसूची एवं पृष्ठभूमि पुस्तिका का विमोचन किया गया तद्पश्च्यात सभा अध्यक्ष की अनुमति से विभिन्न प्रमुख गणमान्यों को सभा सम्बोधन हेतु आमंत्रित किया गया,जिनकी प्रस्तुति निम्नतः है-

**ख) राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति-झारखण्ड के महाप्रबंधक श्री मनोज कुमार का सम्बोधन-**

महाप्रबंधक, श्री मनोज कुमार ने मंच पर उपस्थित महानुभावों का "जोहार" के साथ हार्दिक अभिनंदन किया ,साथ ही बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों एवं प्रतिभागियों का भी अभिनंदन किया एवं बैंकों के मार्च 2023 तिमाही के प्रदर्शन, अन्य नीतिगत मुद्दे एवं महत्वपूर्ण विषयों की ओर सभा का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होने सभी हितधारकों को आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए

| क्रम स | विषय | परिचर्चा | कृत कार्यवाही हेतु |
|---|---|---|---|
| ०१ | अटल पेंशन योजना | श्री मनोज कुमार ने सदन को अवगत कराया , कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में APY के लिए PFRDA द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अंतर्गत झारखंड राज्य की उप्लब्धि 183% रही। उन्होने यह भी बताया की एस.एल.बी.सी झारखंड को अटल पेंशन योजना के लिए मध्यम श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |
| ०२ | वार्षिक ऋण योजना 2022-23 | श्री कुमार ने सदन को बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में समस्त बैंकों ने वार्षिक ऋण योजना के तहत आवंटित लक्ष्य का 130 % हासिल किया है, उन्होने विस्तृत रूप से बताया कि वार्षिक ऋण योजना में उपलब्धि क्रमशः कृषि क्षेत्र में 91.17 प्रतिशत ,एम.एस.एम.ई क्षेत्र में 146.33%, कुल प्राथमिकता क्षेत्र में 110.87%,गैर-प्राथमिकता क्षेत्र में 156.18% रही। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ०३ | ग्राम दत्तक कार्यक्रम | श्री कुमार ने यह बताया कि, एस.एल.बी.सी झारखंड ने अर्ध शहरी और ग्रामीण शाखाओ को विभिन्न बुनियादी बैंकिंग सुविधाये- यानी वित्तीय समावेशन, वित्तीय साक्षरता और क्रेडिट से 100% संतृप्त करने के लिए कम से कम एक गांव को गोद लेने का अभियान चलाया था, इस संदर्भ में वित्तीय वर्ष 2022-23 में राज्य के कुल 1,804 गांवों की पहचान की गई थी, जिनमें से 1,742 गांव यानि लगभग 97% गाँवो को सदस्य बैंकों के सहयोग से पिछले वित्त वर्ष में संतृप्त किया जा चुका है। श्री कुमार ने आगे बताया की वे इस वित्तीय वर्ष आशा करते है कि इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुये बैंक इस वर्ष कम से कम 2,500 गांवों के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अग्रसर होंगे। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु/ अग्रणी ज़िला प्रबन्धक |
| ०४ | ऋण जमा अनुपात | श्री कुमार ने सदन को अवगत कराया कि झारखंड राज्य में कुल जमा एवं ऋण में वर्ष दर वर्ष निरंतर प्रगति देखी जा रही है जिसका अनुकूल प्रभाव राज्य के ऋण- जमा अनुपात में भी देखा जा रहा है। साल-दर-साल कुल जमा में 8.77 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, वहीं कुल ऋण में 15.68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |
| ०५ | ग्राम पंचायत स्तरीय तीन माह का जनसुरक्षा अभियान | श्री कुमार ने वित्तीय सेवायें विभाग, वित्त मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा ग्राम पंचायत स्तर ,पर चलाये जा रहे जनसुरक्षा अभियान के बारे में सदन को बताया जिसका उद्देश्य 01.04.2023 से 30.06.2023 के बीच प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से सभी योग्य खाताधारकों को निबंधित करना है। उन्होने यह भी बताया कि मौजूदा कार्यक्रम झारखंड राज्य में व्यापक रूप से ज़ोर पकड़ रहा है एवं योजनबद्ध तरीके से निश्चय ही अच्छी संख्या में ज्यादा से ज्यादा लोगों को योजना का कवरेज़ प्राप्त होगा। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |
| ०६ | वित्तीय समावेशन से सशक्तिकरण अभियान | श्री कुमार ने सदन को वित्तीय समावेशन से सशक्तिकरण अभियान से भी अवगत कराया । उन्होने बताया कि यह अभियान 15 फरवरी 2023 से शुरू है एवं 15 अगस्त | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | 2023 को समाप्त होगा। इसका मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों का सन्योजन करना है। | |
| ०७ | वार्षिक ऋण योजना 2023-24 | श्री कुमार ने बताया कि , झारखंड राज्य में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिये वार्षिक ऋण योजना के तहत कुल 91,650 करोड़ रुपये के ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है जो कि विगत वर्ष से 15 % अधिक है। प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र हेतु 46,700 करोड़ रुपये का समग्र लक्ष्य रखा गया वहीं गैर प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में यह लक्ष्य 44,950 करोड़ रुपये का है। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |
| ०८ | कृषि संबंधित योजनाओं को प्रोत्साहन | मंच के माध्यम से श्री कुमार ने आग्रह किया मौजूदा वित्त वर्ष में किसान क्रेडिट कार्ड के अतिरिक्त AGRI INFRA FUND और पी.एम.एफ़.एम.ई (Pradhan Mantri Formalisation of Micro Food Processing Enterprises Scheme) के अंतर्गत बहुतायत वित्त पोषण करें। साथ ही ज़िला स्तरीय साप्ताहिक ANIMAL HUSBANDRY & FISHRIES के KCC कैंप को भी निरंतर जारी रखें। उन्होने सदन को मुख्यमंत्री पशुपालन योजना तथा राज्य की उद्योग नीति के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि के बारे में अवगत कराया। AIF ऋण प्रवाह से कोल्ड स्टोरेज की चेन को मज़बूत बनाने के बारे में भी श्री कुमार ने सदन को बताया। | समस्त बैंक / अग्रणी ज़िला प्रबन्धक |
| ०९ | RSETI एवं RUDSETI | ग्रामीण स्वरोजगार केन्द्रों की ओर श्री कुमार ने सदन का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होने बताया कि राज्य में कुल 24 RSETI एवं 01 RUDSETI संस्थान हैं ,जहाँ अत्यंत पिछड़े, गरीब एवं ज़रूरतमन्द नौजवान ग्रामीणों को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर उन्हे आजीविका में मदद पहुंचाई जाती हैं। हालाँकि पिछले वित्त वर्ष में समय पर प्रशिक्षणार्थियों को ऋण उप्लब्ध ना होना चिंतनीय विषय है। अंत में श्री कुमार ने बैंक | समस्त बैंक / अग्रणी ज़िला प्रबन्धक/RSETI डाइरेक्टर्स |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | घ) फूड प्रोसेसिंग के जरिये खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बढ़ाना।<br>ङ) कृषि संबंधित अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देना- जैसे मत्स्य पालन , पशु पालन इत्यादि। | |
| ०३ | राज्य की आर्थिक प्रगति में बैंकों का योगदान | माननीय मंत्री ने सभा को अवगत कराया कि बैंकों द्वारा झारखंड राज्य में 3.29 लाख महिला समूहों को 4787 करोड़ रूपय का ऋण दिया गया, 5.60 लाख सूक्ष्म उद्योगों को 16681 करोड़ रूपय का ऋण दिया गया , 13.46 लाख किसानों को 7834 करोड़ रूपय का क्रॉप लोन दिया गया , इन सभी योगदानों के लिए राज्य के बैंकों को माननीय मंत्री जी ने बधाई दी। माननीय द्वारा असंगठित क्षेत्र के पथ विक्रेताओं को भी ऋण वितरित कर राज्य के आर्थिक विकास के लिए बैंकों को बधाई दी गयी। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |
| ०४ | शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार व बैंको के परस्पर सहयोग से छात्रों का उत्थान | माननीय मंत्री जी ने झारखंड सरकार द्वारा राज्य के छात्रों के लिए चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं से सदन को अवगत कराया। उनमें से कुछ जैसे मुख्यमंत्री सारथी योजना , मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना, एकलव्य योजना , गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना का उल्लेख उन्होने किया। उन्होने कहा कि वे इन सब में बैंकों द्वारा सहयोग की अपेक्षा करते हैं। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु<br>एवं एक्शन-समस्त बैंक / एवं राज्य सरकार के अधिकारीगण |
| ०५ | सरकारी विभागों व निगमों को आवश्यकता अनुसार बैंकों द्वारा वित्तीय सहायता | माननीय मंत्री महोदय ने झारखंड राज्य खाद्य निगम को बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किफ़ायती दर पर 1500 करोड़ रूपय का ऋण प्रदान करने के लिए प्रबंध निदेशक बैंक ऑफ इंडिया को विशेषकर धन्यवाद दिया और झारखंड राज्य में कार्यरत बैंक ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों की सराहना की। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ०६ | राज्य सरकार द्वारा लाये गए वित्तीय सुधार | उन्होने यह भी बताया कि संकट के समय काम आ सके इसके लिए हर राज्य के भाँति अब झारखंड राज्य भी रिजर्व बैंक के पास, बचत स्वरूप ,एक सिंकिङ्ग फ़ंड रख रहा है जिसमें अबतक लगभग 1100 करोड़ रुपये जमा किए जा चुके हैं, जो हर्ष का विषय है।<br>इसके साथ ही माननीय मंत्री ने बताया की राज्य में आउटकम बजट की भी शुरुआत की गयी है जिससे हर मद में खर्च की गयी राशि की उपयोगिता सुनिश्चित हो सके। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |

अंत में माननीय मंत्री ने प्रबंध निदेशक बैंक ऑफ इंडिया , महाप्रबंधक रिजर्व बैंक ,मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड समेत सभा में उपस्थित सभी गणमान्यों को धन्यवाद देते हुए अपने सम्बोधन को समाप्त किया।

**घ) नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री सुनील कुमार जहांगीरदार द्वारा सम्बोधन-**

| क्रम स | विषय | परिचर्चा | कृत कार्यवाही हेतु |
|---|---|---|---|
| ०१ | राज्य के बारे में नवनियुक्त नाबार्ड राज्य प्रमुख की राय | श्री जहांगीरदार ने सभा को बताया कि उन्होने हाल ही में नाबार्ड सी.जी.एम के रूप में झारखंड राज्य कि कमान संभाली है और वे इस राज्य को एक संसाधनों व सम्पदा से परिपूर्ण व शांति प्रिय राज्य के रूप में देखते हैं। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |
| ०२ | राज्य में ऋण जमा अनुपात में वृद्धि के लिए नीतिगत बदलाव | डॉ जहांगीरदार ने अपने मंतव्य में झारखंड सरकार से कई आयामों में नीतिगत बदलाव लाने की अनुशंषा की। उन्होने कहा कि AIF/पी.एम.एफ़.एम.ई जैसी स्कीमें राज्य के आर्थिक विकास के लिए अति महत्वपूर्ण हैं। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ०३ | पालाश बैंक का विकास | नीतिगत बदलावों में उन्होने सर्वप्रथम – पी.एम.एफ़.एम.ई स्कीम को प्रोत्साहन देने के लिए कहा। इसके विपणन संबंधी आवश्यकताओं के लिए उन्होने पलाश बैंक के उपयोग का भी सुझाव दिया। | राज्य सरकार |
| ०४ | फूड प्रोसेसिंग में मदर यूनिट कान्सेप्ट | उन्होने यह भी कहा की कॉमन फूड प्रोसेसिंग यूनिटों को मदर यूनिट अवधारणा के अंतर्गत लाना चाहिए जिससे उद्यमियों का लाइसेंसिंग , ब्रांडिंग इत्यादि पर खर्च कम किया जा सके। | राज्य सरकार |
| ०५ | राज्य में इन्क्यूबेशन सेंटरों की स्थापना | डॉ जहांगीरदार ने सदस्यों को यह बताया कि राज्य में वर्तमान में पाँच इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित हैं । यह सेंटर क्रमशः आई.सी.आर पलाण्डू बिरसा कृषि विश्वविद्यालय-रांची, आई.एस.एम धनबाद, बी.आई.टी मेंसरा एवं झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी में स्थापित हैं। उन्होने कहा कि इनके अलावा और भी सेंटरों कि स्थापना झारखंड राज्य में कि जानी चाहिए। | राज्य सरकार |
| ०६ | राज्य में प्राक्रतिक रूप से उपजी वनस्पतियों का निर्यात | डॉ जहांगीरदार ने सदन को यह बताया कि यूरोपीय देशों में रुगड़ा , इनफाल नाम से जाना जाता है जिसकी कीमत वहाँ 700 से 1500 यूरो यानि लगभग 1.5 लाख रुपय प्रति किलो होती है। यदि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे राज्य रुग्ड़ा का निर्यात कर सके तो राज्य के गरीब किसानों का आर्थिक उत्थान अवश्य होगा। | राज्य सरकार |
| ०७ | एफ़.पी.ओ को ऋण प्रवाह | मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड ने अपने वक्तव्य में कहा कि अभी बैंकों द्वारा एफ.पी.ओ को औसतन दस लाख रूपय का ऋण दिया जा रहा है ,जिसे बढ़ाने की आवश्यकता है। | समस्त बैंक / अग्रणी ज़िला प्रबन्धक |
| ०८ | संस्थाओं के बीच में त्रिपक्षीय समझौते | डॉ जहांगीरदार ने बताया कि देश के अन्य राज्य जैसे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सरकारी नीतियों में बदलाव के तहत त्रिपक्षीय समझौते किए जा रहे हैं जैसे सीमेंट प्रसंस्करण इकाई ,फ्लाई ऐश ईंट, बांस उगाने वाले किसान, युकेलिप्टस उगाने वाले | राज्य सरकार |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | किसान, पेपर मिल इत्यादि। इस तरीके से यदि झारखंड राज्य भी आगे बढ़े तो राज्य का आर्थिक उत्थान होगा। | |
| ०९ | राज्य में महुआ पॉलिसी लाना | डॉ जहांगीरदार ने बताया भारतीय व्हिस्की पूरे विश्व में पसंद की जाती है और उसकी मांग भी विदेशी बाज़ार में बहुत है और झारखंड राज्य में ग्रामीण छोटे स्तर पर भी उत्पादन किया जाता है। बिना किसी वित्तीय हस्तक्षेप से केवल विकासात्मक दृष्टिकोण से ही बदलाव लाया जाए और महुआ पॉलिसी लायी जाए तो भी हमारे राज्य के गरीब लोगों समेंत पूरे राज्य का आर्थिक कल्याण होगा। | राज्य सरकार |

इन्हीं शब्दों के साथ श्री सुनील कुमार जहांगीरदार ने अपनी वाणी को विराम दिया।

**ङ ) भारतीय रिजर्व बैंक के महाप्रबंधक (प्रभारी अधिकारी) श्री संजीव सिन्हा जी का सम्बोधन**

| क्रम स | विषय | परिचर्चा | कृत कार्यवाही हेतु |
|---|---|---|---|
| ०१ | सभापति एवं विशिष्ट अतिथि का अभिनंदन | श्री संजीव सिन्हा ने वित्तीय सेवायें विभाग, भारत सरकार से पधारे श्री सुधीर श्याम जी एवं बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी , श्री रजनीश कर्नाटक जी का रिजर्व बैंक रांची की ओर से स्वागत और अभिनंदन किया। | संबोधन हेतु |
| ०२ | वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत उप्लब्धि पर बैंकों को बधाई | श्री सिन्हा ने राज्य की वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत लगभग 130% की उप्लब्धि तथा राज्य के ऋण जमा अनुपात में लगभग 6% की वृद्धि के लिए सदस्य बैंकों को बधाई दी। उन्होने कहा की ये न केवल उप्लब्धि है बल्कि भविष्य के लिए एक चुनौती भी है जिसे हमें भविष्य में अवसर के रूप में लेना होगा। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | एवं ऐक्शन- राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति एवं समस्त बैंक |
| ०३ | झारखंड में ग्रीन फाइनान्सिंग के आयाम | महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक ने सदन को बताया की जल्द ही राज्य सरकार , रांची में स्थित रुक्का डैम के अवसंरचनात्मक विकास और उसे पर्यटन अनुकूल बनाने के लिए आगे बढ़ रही है।<br><br>उन्होने सुझाव दिया कि इस संरचना के लिए ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन ले लिया जाय तो ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में अच्छा होगा साथ ही बैंकों को ग्रीन फाइनान्सिंग के लिए अवसर भी मिलेगा। उन्होने मुख्यतः एस.एल.बी.सी को इसे अवसर स्वरूप लेने के लिए प्रेरित किया। | राज्य सरकार , राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति एवं समस्त बैंक |
| ०४ | वित्तीय साक्षारता | श्री सिन्हा ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय साक्षारता पर चलाई जा रही योजनओं के बारे में सभा को बताया , जिसके अंतर्गत , ब्लॉक , ज़िला , राज्य और अंत में राष्ट्रीय स्तर पर वित्तीय साक्षारता क्विज़ का आयोजन किया जा रहा है ।इन आयोजनों में एल.डी.एम एवं राज्य के शिक्षा विभाग द्वारा दिये गए सहयोग के लिए श्री सिन्हा ने उन्हें धन्यवाद दिया।<br><br>वित्तीय साक्षरता क्षेत्र में काम कर रहे FLC एवं CFL के बारे में भी श्री सिन्हा ने सदन को विस्तृत जानकारी दी।<br><br>उन्होने एलडीएम एवं राज्य सरकार से CFL उत्तोलन के लिए विचार करने के लिए कहा। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ०५ | 100 डेज़ 100 पेज़ अभियान | श्री सिन्हा ने सदन को बताया कि आर.बी.आई द्वारा 100 डेज़ 100 पेज़ अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत बैंकों में पड़े अनक्लेमॅड जमा राशियों को उनके उचित हकदार तक पहुंचाना है। उन्होने सभी बैंकों से आग्रह किया ऐसी अनक्लेमॅड जमा राशियों को वे एक पोर्टल पर प्रदर्शित करें जिससे सभी अनभिज्ञ हकदार लोगों को अपने धन के बारे में पता चल सके। | एलडीएम एवं समस्त बैंक |
| ०६ | सूक्ष्म उद्यमियों के लिए ऋण प्रवाह | श्री सिन्हा ने सदन को अवगत कराया कि हालांकि राज्य ने अपना प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र एवं एम.एस.एम.ई क्षेत्र के लक्ष्य का 160% हासिल कर लिया है लेकिन इसमें सूक्ष्म उद्यमों में ऋण का योगदान बहुत ही कम है यहाँ तक कि प्रधान मंत्री टास्क फोर्स के अंतर्गत दिये गए लक्ष्य को भी बैंक प्राप्त नहीं कर पाये हैं।<br><br>उन्होने सभी बैंकों से और मुख्यतः स्माल फ़ाइनेंस बैंकों से इस दिशा में कार्य करने के लिए कहा। उन्होने यह भी कहा कि चूंकि स्माल फ़ाइनेंस बैंकों को लाइसेंसे इस कार्य के लिए ही मिलता है उनसे उचित प्रदर्शन अपेक्षित है। | समस्त बैंक |
| ०७ | भू अभिलेखों का डिजिटलीकरण/ भू अभिलेखों का ऑनलाइन सत्यापन | श्री संजीव सिन्हा ने सदन को यह बताया कि रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राजेश बंसल ने 82वीं एस.एल.बी.सी के दौरान यह बताया था कि कैसे भू अभिलेखों के डिजिटलीकरण से बिना ब्रांच में आए त्वरित KCC ऋण प्रदान की जा सकती है। उन्होने इस प्रावधान के लिए राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट किया ताकि झारखंड राज्य में भी ऑनलाइन के.सी.सी वितरण की शुरुआत की जा सके। | राज्य सरकार |
| ०८ | वित्तीय साक्षारता को स्कूली बच्चों के पाठ्यक्रम में शामिल करना | श्री संजीव सिन्हा ने राज्य सरकार का ध्यान वित्तीय साक्षारता को स्कूली बच्चों के पाठ्यक्रम में शामिल करने की ओर आकृष्ट किया। | राज्य सरकार |

अंत में श्री संजीव सिन्हा जी ने हर चुनौतो को एक अवसर के रूप में लेने के लिए सभी सदस्यों को प्रोत्साहित किया और इसी के साथ अपनी वाणी को विराम दिया।

**च) आर्थिक सलाहकार वित्त विभाग – भारत सरकार श्री सुधीर श्याम जी का सम्बोधन**

श्री सुधीर श्याम जी ने अपने अभिभाषण में सर्वप्रथम एस.एल.बी.सी संयोजक-बैंक ऑफ इंडिया को उन्हे एस.एल.बी.सी मीटिंग में आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया। श्री श्याम ने सभा में मौजूद सदस्यों को बताया कि एस.एल.बी.सी के अत्यंत महत्वपूर्ण मंच है जिसे वस्तुतः नीति निर्माण के लिए उपयोग किया जाना चाहिए

| क्रम स | विषय | परिचर्चा | कृत कार्यवाही हेतु |
|---|---|---|---|
| ०१ | झारखंड राज्य व देश के आर्थिक संकेतकों कि तुलना | श्री श्याम ने अपने प्रारंभिक सम्बोधन में अभिवादन के बाद सभा को अवगत कराया कि झारखंड राज्य आर्थिक संकेतकों के मामले में राष्ट्रीय संकेतकों से बहुत पीछे है। उन्होने कहा कि यदि ऋण जमा अनुपात को देखें तो, जहां देश कि ऋण जमा अनुपात 75.86% है वहीं झारखंड राज्य में यह आंकड़ा 34% है , जिसमें सुधार अति आवश्यक है। उन्होने यह भी बताया कि प्रति व्यक्तों आय, साक्षारता दर जैसे अन्य कई घटकों में भी राज्य अभी पिछड़ा हुआ है। उन्होने सभी हितधारकों को इन चुनौतियों का सामना कर सक्षम बनने के लिए प्रोत्साहित किया। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |
| ०२ | राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्धता | श्री श्याम ने अपने अभिभाषण में कहा कि राज्य में जिस प्रकार सासमय एस.एल.बी.सी/डी.सी.सी/डी.एल.आर.सी/बी.सी.सी कि बैठकें सम्पन्न होती हैं , उससे सभी हितधारकों की राज्य के विकास के ओर प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | उन्होने यह भी कहा कि श्री रजनीश कर्नाटक जी ने हाल ही मैं प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के तौर पे बैंक ऑफ इंडिया में कार्यभार ग्रहण किया है और इतनी जल्द ही सभा में उनकी उपस्थिती निश्चय ही राज्य के विकास की ओर उनकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। | |
| ०३ | हितधारकों में समन्वय स्थापित करना | श्री श्याम ने ये भी कहा कि एस.एल.बी.सी मंच का उचित उपयोग करना चाहिए। नाबार्ड ,आर.बी.आई, समस्त बैंक , राज्य व केंद्र सरकार को आपसी सामंजस्य बैठाते हुए इस मंच के माध्यम से नीति निर्माण के लिए आगे बढ़ना चाहिए।<br><br>उन्होने सदन से निवेदन किया कि राज्य के विकास में आ रहे गतिरोधों को चिन्हित कर अनुकूल नीति निर्माण करें ।सभी राज्य स्तरीय योजनाओं को एकीकृत कर कार्य करने के लिए उन्होने पथ प्रदर्शित किया। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |

एस.एल.बी.सी बैठक को आर्थिक नीति निर्माण के लिए प्रमुख बताते हुए और सभी को धन्यवाद देते हुए श्री सुधीर श्याम जी ने अपनी वाणी को विराम दिया।

छ) प्रबंध निदेशक सह कार्यकारी निदेशक, बैंक ऑफ इंडिया, श्री रजनीश कर्नाटक जी का सम्बोधन

| क्रम स | विषय | परिचर्चा | कृत कार्यवाही हेतु |
|---|---|---|---|
| ०१ | राज्य में आर्थिक विकास के लिए विभिन्न वांछित प्रयास | श्री कर्नाटक ने अपने से पहले आए विभिन्न वक्ताओं द्वारा दिये गए सुझाओं को अनुसरणीय बताया। उन मुद्दों में प्रमुखतः उन्होने राष्ट्रीय स्तर से हमारे राज्य के ऋण जमा अनुपात एवं क्रेडिट ग्रोथ में अंतर को कम करने पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। आर.बी.आई द्वारा सुझाए गये ग्रीन फ़ाइनान्सिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए भी श्री कर्नाटक ने बैंकों को प्रोत्साहित किया।<br><br>उन्होने कर्नाटका और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि भूमि अभिलेख डिजिटलीकरण से राज्यों की के.सी.सी वितरण प्रणाली में अभूतपूर्व बदलाव आया है जो झारखंड राज्य के लिए अनुकरणीय पहल है।<br><br>स्माल फ़ाइनेंस बैंक से भी उन्होने सूक्ष्म उद्यमों में ऋण प्रवाह बढ़ाने के लिए कहा। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |
| ०२ | राज्य में बैंकिंग शाखा नेटवर्क | श्री कर्नाटक ने सदन को बताया की राज्य में कुल 3189 बैंक शाखाएँ हैं जिनमें से आधिकाधिक शाखाएँ ग्रामीण इलाके में स्थित हैं , उन्होने ऐसी शाखाओं में अपनी सेवा दे रहे कर्मचारियों व अधिकारियों की सराहना कि। साथ ही साथ उन्होने राज्य सरकार से ऐसी शाखाओं में व्याप्त नेटवर्क कनेक्टिविटी संबंधित समस्या का समाधान करने की अपील की। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु<br><br>एवं एक्शन-अग्रणी ज़िला प्रबन्धक/राज्य सरकार |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ०३ | भारतीय अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिल्यन अर्थव्यवस्था बनाना | श्री कर्नाटक ने यह सदन को इस बात से अवगत कराया कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मार्च 2026 तक 5 खरब अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंचाना है। जी.एस.टी संग्रह के आंकड़े के आधार पर झारखंड का योगदान इसमें लगभग 3000 करोड़ का है।<br><br>उन्होने आगे बताया कि अगर आंकलन किया जाय तो अपने योगदान स्वरूप झारखंड राज्य को 27 बिल्यन डॉलर का ऋण वितरण करना होगा। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु<br><br>एवं एक्शन-अग्रणी ज़िला प्रबन्धक/समस्त बैंक |
| ०४ | राज्य में एन.पी.ए कम करने के लिए दिशानिर्देश | श्री कर्नाटक ने कहा कि राज्य में बढ़ रहे एन.पी.ए का प्रबंधन करने हेतु अहम कदम उठाने की आवश्यकता है , जिनमें से कुछ उन्होने निम्नवत बताए-<br><br>• ज़िले में नीलाम पत्र अधिकारी की नियुक्ति,<br>• सर्टिफिकेट केस/नीलाम पत्र के लिए 0.5% कोर्ट फी को कम करना।<br><br>उन्होने सभी बैंकों से आग्रह किया कि वे अपने अपने बैंक में वन टाइम सेट्लमेंट स्कीम को व्यापक तौर पे लाएँ जिससे बैंकों तथा राज्य का एन.पी.ए कम किया जा सके। | एक्शन-अग्रणी ज़िला प्रबन्धक, समस्त बैंक एवं राज्य सरकार |

सभा में उपस्थित सभी गणमान्यों को धन्यवाद देते हुए श्री कर्नाटक ने अपने सम्बोधन को समाप्त किया।

ज) सभा के दूसरे चरण से पहले विभिन्न क्षेत्रों में उतकृष्ट प्रदर्शन के लिए कुछ बैंकों व एल.डी.एम को गणमान्यों द्वारा पुरुस्कृत किया गया।

- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया , बैंक ऑफ इंडिया को सरकारी प्रायोजित योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एक्सेम्प्लरी अवार्ड ऑफ पार एक्सलेन्स पुरुस्कार दिया गया।

- वहीं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया तथा बैंक ऑफ इंडिया को एक्सेम्प्लरी अवार्ड फॉर पार एक्सलेन्स दिया गया।
- बैंक ऑफ इंडिया व झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक को वार्षिक ऋण योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए क्रमशः एक्सेम्प्लरी अवार्ड फॉर पार एक्सलेन्स एवं अवार्ड ऑफ एक्सलेन्स से नवाज़ा गया।
- अग्रणी जिला प्रबंधक, पूर्वी सिंहभूम, बैंक ऑफ़ इंडिया को झारखण्ड राज्य में डिजिटल भुगतान का विस्तार करने एवं वित्तीय समावेशन के लिए एक्सेम्प्लरी अवार्ड फॉर पार एक्सलेन्स दिया गया।
- अग्रणी जिला प्रबंधक, गढ़वा, भारतीय स्टेट बैंक को वर्ष 2022-23 में झारखण्ड राज्य में 16 गैर-बैंकिंग स्थानो पर ब्रिक और मोर्टार बैंक शाखा खोलने के लिए राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, झारखण्ड कि ओर से एक्सेम्प्लरी अवार्ड फॉर पार एक्सलेन्स मिला।
- अग्रणी जिला प्रबंधक, दुमका, इंडियन बैंक को झारखण्ड राज्य में भारत सरकार के द्वारा प्रायोजित वित्तीय समावेशन से सशक्तिकरण कार्यक्रम (आकांक्षी जिला) के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा योजनाओ (प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना एवं अटल पेंशन योजना) में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, झारखण्ड कि ओर से एक्सेम्प्लरी अवार्ड फॉर पार एक्सलेन्स मिला।

झ) इस सम्बोधन के उपरांत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति-झारखंड के मुख्य प्रबन्धक, श्री बिभव कुमार द्वारा एस.एल.बी.सी बैठक के व्यवसायिक सत्र का संचालन किया गया, जिसमें पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा एजेंडावार विभिन्न क्षेत्रों में बैंकों के प्रदर्शन पर चर्चा की गयी।

| क्रम स | विषय | परिचर्चा | कृत कार्यवाही हेतु |
|---|---|---|---|
| ०१ | विभिन्न उपसमितियों की परिचर्चा के मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा | श्री बिभव कुमार ने विभिन्न उपसमितियों की परिचर्चा के मुख्य बिन्दुओं से सभा को अवगत करवाया। इस क्रम में सर्वप्रथम उन्होने राज्य के कुल एन.पी.ए में 25.32% की घटत के लिए सभी बैंकों को बधाई दी। | सभी सदस्यों की जानकारी हेतु |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ०२ | सासमय डी.सी.सी/डी.एल.आर.सी बैठक का आयोजन | स्टीरिंग कमेटी के दौरान परिचर्चित मामले - हज़ारीबाग व साहिबगंज में इस तिमाही के दौरान डी.सी.सी/डी.एल.आर.सी बैठक ना होने के बारे में श्री बिभव ने ज़िक्र किया। | एक्शन- अग्रणी ज़िला प्रबन्धक हजारीबाग और साहिबगंज |
| ०३ | बी.सी एक्टिवेशन | श्री बिभव ने सदन को सूचित किया कि राज्य में कुल 50,000 बी.सी कार्यरत हैं , जिसमें से सिर्फ 11% महिला बी.सी हैं इसे ध्यान में रखते हुए श्री कुमार ने एस.एच.जी महिलाओं को बी.सी नियुक्त करने के लिए बैंकों से अनुरोध किया। दूसरी तरफ निष्क्रिय पड़े बी.सी के एक्टिवेशन के लिए भी श्री कुमार ने बैंकों से आग्रह किया। | **एक्शन- समस्त बैंक** |
| ०४ | डी.एफ़.एस द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पे चलाये जा रहे अभियान | श्री कुमार ने सदन को बताया कि डीएफ़एस के तीन माह तक चलने वाले जनसुरक्षा अभियान व छह माह तक चलने वाले वित्तीय समावेशन से सशक्तिकरण अभियान में राज्य का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं है उसमें सुधार लाने की और पोर्टल पर उचित डाटा अपलोड करने की आवश्यकता है। | एक्शन- सभी अग्रणी ज़िला प्रबन्धक एवं समस्त बैंक |
| ०५ | एस.एल.बी.सी को सासमय आंकड़े उपलब्ध कराना | श्री कुमार ने सभी बैंकों से त्रैमासिक बैठक के लिए सासमय आंकड़े उपलब्ध कराने के लिए कहा। | समस्त बैंक |
| ०६ | बैंकों को एस.एन.ए अकाउंट आवंटन | श्री कुमार ने राज्य सरकार से यह अपील करी कि बैंकों को एस.एन.ए अकाउंट का आवंटन उनके सरकारी योजनाओं के प्रदर्शन के आधार पर करने कि कृपा करें। | राज्य सरकार |

ञ)जाइंट सेक्रेटरी झारखंड स्माल इंडस्ट्रीज़ असोसिएशन श्री शिवम कुमार ने बैंकों से विभिन्न प्रणालियों जैसे पॉज़िटिव पेमेंट सिस्टम , 2000 रूपय के बदलने हेतु दिशानिर्देशों को राज्य में नियमित करने की प्रार्थना की।

ट) स्टेट डाइरेक्टर एस.आर.एल.एम ने लक्ष्यों की पुनः समीक्षा करने के लिए आग्रह किया।

ठ) डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्रीज़ से आए श्री दिनेश गुप्ता जी ने यह अपील करी कि पी.एम.एफ़.एम.ई के लिए एस.एल.बी.सी सभी बैंकों के लिए समरूप दिशानिर्देश निर्गत करे जिससे भिन्नता से बचा जा सके।

ड) अंत में महाप्रबंधक केनरा बैंक श्री श्रीनाथ जोशी जी ने सभी सदस्य बैंकों, एल.डी.एम, सरकारी विभागों और अन्य हितधारकों को उनके निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक , नाबार्ड और एल.डी.एम को उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन के लिए भी अभिवादन किया।उन्होने 83वीं बैठक को अच्छे से सम्पन्न करने के लिए सभी हिधारकों और आयोजकों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

( मनोज कुमार )
महाप्रबंधक, रा. स्त. बै. स.

# 83वीं एसएलबीसी बैठक, मार्च 2023

## 31 मई 2023 होटल रेडिसन ब्लू, कडरू बाई पास रोड, रांची

| क्रमांक | नाम | पद | विभाग | संपर्क |
|---|---|---|---|---|
| 1 | डॉ रामेश्वर उराँव | माननीय वित्त मंत्री | झारखंड सरकार | |
| 2 | श्री रजनीश कर्नाटक | प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी | बैंक ऑफ इंडिया | |
| 3 | श्री सुधीर श्याम | आर्थिक सलाहकार | वित्तीय सेवाएं विभाग,वित्त मंत्रालय,भारत सरकार | |
| 4 | श्री अजय कुमार सिंह | प्रधान सचिव | वित्त विभाग,झारखण्ड सरकार | |
| 5 | श्रीमती दीप्ति जयराज | विशेष सचिव | वित्त विभाग,झारखण्ड सरकार | |
| 6 | श्री संजीव सिन्हा | महाप्रबंधक ओ-आई-सी | भारतीय रिजर्व बैंक | |
| 7 | श्री सुनील कुमार जहांगीरदार | मुख्य महाप्रबंधक | नाबार्ड | |
| 8 | श्री मनोज कुमार | महाप्रबंधक | राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति | |
| 9 | श्री सुबोध कुमार | उप महाप्रबंधक | राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति | 7506256681 |
| 10 | श्री श्रीनाथ जोशी | महाप्रबंधक | केनरा बैंक | 9334913525 |
| 11 | श्री सुनील कुमार | उप महाप्रबंधक (क्षेत्रीय प्रमुख) | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 9264291876 |
| 12 | श्री एफ.आर. बुखारी | उप महाप्रबंधक | इंडियन बैंक | 9782972341 |
| 13 | श्री प्रेम शंकर सिंह | उप महाप्रबंधक | पंजाब एंड सिंध बैंक | 9801435681 |
| 14 | श्री सुबोध कुमार | उप महाप्रबंधक | पंजाब नेशनल बैंक | 8600400484 |
| 15 | श्री अरविंद कालरा | सहायक महाप्रबंधक | पंजाब नेशनल बैंक | 9001500222 |
| 16 | श्री प्रवीण कुमार सिंह | महाप्रबंधक | भारतीय स्टेट बैंक | 9004356910 |
| 17 | श्री बैज नाथ सिंह | महाप्रबंधक | यूनियन बैंक ऑफ इंडिया | 9073369980 |
| 18 | श्री मनोज कुमार गुप्ता | उप महाप्रबंधक | आईडीबीआई बैंक लिमिटेड | 7781021133 |
| 19 | श्री बिनोद बिहारी मिश्रा | उप महाप्रबंधक | भारतीय रिजर्व बैंक | |
| 20 | श्री जगन्नाथ गुप्ता | महाप्रबंधक | झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक | 9473453102 |
| 21 | श्री रणवीर सिंह | उप महाप्रबंधक | राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति | 9650413197 |
| 22 | श्री अनुज कुमार अग्रवाल | सहायक महाप्रबंधक | बैंक ऑफ इंडिया | |
| 23 | श्री एम पी सुगुनन | मुख्य कार्यकारी अधिकारी | धनबाद सेंट्रल को-ऑप.बैंक | 9997871993 |
| 24 | श्री मनीष कुमार | सहायक महाप्रबंधक | बैंक ऑफ बड़ौदा | 6287395610 |
| 25 | श्री प्रेम शंकर सिंह | उप महाप्रबंधक | पंजाब एंड सिंध बैंक | 9801435681 |
| 26 | श्री बिश्वजीत कुमार सिन्हा | सहायक महाप्रबंधक | भारतीय स्टेट बैंक | 7718825815 |
| 27 | श्रीमती शिखा चौधरी | सहायक महाप्रबंधक | बैंक ऑफ महाराष्ट्र | 9763291084 |
| 28 | श्री एच एन द्विवेदी | निदेशक मत्स्य पालन विभाग | झारखंड सरकार | 9835210462 |
| 29 | श्री विभव कुमार | बैंक ऑफ इंडिया | राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति | 9034846704 |
| 30 | श्री रोशन चौधरी | बैंक ऑफ इंडिया | राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति | 8712252343 |
| 31 | श्रीमती दर्पण शर्मा | बैंक ऑफ इंडिया | राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति | 9525754528 |
| 32 | श्री कुमार रिशव | बैंक ऑफ इंडिया | राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति | 8210938157 |
| 33 | श्री प्रशांत कुमार | बैंक ऑफ इंडिया | राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति | 7991178327 |
| 34 | श्री शैलेश कुमार | बैंक ऑफ इंडिया | राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति | 8005958455 |
| 35 | श्री वीर विक्रम माधव | ए स ओ | वित्त विभाग | 8809597484 |
| 36 | श्री धीरज होरो | राज्य समन्वयक | जेएसएलपीएस | |
| 37 | श्री एस बी मिश्रा | एसडीआर झारखंड | एनएसीईआर | 9330752100 |
| 38 | श्री अनिल कुमार | एसएनओ आरसेटी | ग्रामीण विकास विभाग | 9431901016 |
| 39 | श्री चंद्र भूषण पांडे | राज्य नियंत्रक | रुडसेटी,राष्ट्रीय अकादमी | 9073396646 |
| 40 | श्रीमती राजकुमारी कुंभर | आर एम | राष्ट्रीय आवास बैंक | 8130393445 |
| 41 | श्री जे पी शर्मा | उप पंजीयक | आरसीएस कार्यालय | 9431165349 |
| 42 | श्री राजीव कुमार सिंह | वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी | रजिस्ट्रार सहकारी समिति, झारखंड सरकार | 7004726652 |
| 43 | श्री दिनेश कुमार | ईडीएम | उद्योग विभाग | 7401461046 |
| 44 | श्री एस आर पासवान | उप निदेशक | उद्योग विभाग | 9693364055 |
| 45 | श्री उत्पल कुमार | पीए (डीडीआई) | उद्योग विभाग | 7004091058 |
| 46 | श्री एस एन हयात | प्रबंधक | एसपीएमयू उद्योग निदेशालय | 8685970567 |
| 47 | श्री बिष्णु सी परिदा | मुख्य परिचालन अधिकारी | जेएसएलपीएस | 9939221549 |
| 48 | श्री जसविन्दर सिंह | उप-अध्यक्ष | एफजेसीसीआई | 9570183183 |
| 49 | श्री विनय छपारिया | बैंक प्रभारी | एफजेसीसीआई | 9931922000 |
| 50 | श्री मुकुल पी एक्का | सहायक महाप्रबंधक | सिडबी | 7759811384 |
| 51 | श्री राजीव कुमार | सहायक संचालक | केवीआईसी | 9474059775 |
| 52 | श्री शिवम सिंह | सचिव जेएसआईए | जेएसआईए | 9835334399 |

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति BOI झारखण्ड

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 53 | श्री एच पी बियानी | सह-अध्यक्ष जेएसआईए | जेएसआईए | 8002685608 |
| 54 | श्री राजीव रंजन | वरिष्ठ प्रबंधक | इंडियन बैंक | 8617763005 |
| 55 | श्री मुकेश कुमार | मैनेजर HO | झारखंड राज्य सहकारी बैंक | 7766917111 |
| 56 | श्री कमल किशोर | प्रबंधक | झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक | 9492758000 |
| 57 | श्री रोहित कुमार | मुख्य प्रबंधक | पंजाब एंड सिंध बैंक | 8437019190 |
| 58 | श्री एस के सिन्हा | मुख्य प्रबंधक | यूको बैंक | 8016710116 |
| 59 | श्री कुमार आलोक | मुख्य प्रबंधक | बैंक ऑफ बड़ौदा | 7905445469 |
| 60 | श्री विवेक कुमार सिंह | मुख्य प्रबंधक | बैंक ऑफ महाराष्ट्र | 9763291084 |
| 61 | श्री मनीष भारती | क्लस्टर प्रमुख | आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड | 7250483060 |
| 62 | श्री प्रशांत प्रदीप | वरिष्ठ प्रबंधक | फ़ेडरल बैंक लिमिटेड | 8927634144 |
| 63 | श्री नवनीत एस गांधी | उप उपाध्यक्ष | एचडीएफसी बैंक लिमिटेड | 9934011083 |
| 64 | श्री कौशल किशोर | सहायक महाप्रबंधक | आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड | 9934313934 |
| 65 | श्री शब्बीर अख्तर | क्षेत्रीय प्रमुख | आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड | 9771499046 |
| 66 | श्री राजेश कुमार | एबीएम | कर्नाटक बैंक लिमिटेड | 9771492660 |
| 67 | श्री अविनाश टांटिया | राज्य प्रमुख | एक्सिस बैंक लिमिटेड | 9939390770 |
| 68 | श्री राज कुमार कमल | क्षेत्रीय प्रमुख | इंडसइंड बैंक | 9835327748 |
| 69 | श्री ताहिर अज़ीज़ वानी | शाखा प्रमुख | जम्मू एवं कश्मीर बैंक लिमिटेड | 9906608262 |
| 70 | श्री शिशिर सारंगी | एबीपी | यस बैंक | 7781006241 |
| 71 | श्रीमती किरण मिश्रा | एसोसिएट उपाध्यक्ष | कोटक महेंद्र बैंक लिमिटेड, | 9709000208 |
| 72 | श्री अरुण वी मोहनन | शाखा प्रमुख | साउथ इंडियन बैंक लिमिटेड | 9048874928 |
| 73 | श्री मनीष कुमार सिन्हा | शाखा प्रमुख | डीबीएस बैंक | 9308457750 |
| 74 | श्री वी विजय कुमार | प्रबंधक शाखा प्रमुख | करूर वैश्य बैंक | 7091194716 |
| 75 | श्री अभय कुमार | डीवीपी | बंधन बैंक | 9534130002 |
| 76 | श्री रॉबिन वर्मा | शाखा प्रमुख | easaf लघु वित्त बैंक लिमिटेड | 7004756456 |
| 77 | श्री आशुतोष तिवारी | वरिष्ठ प्रबंधक | उज्जीवन लघु वित्त बैंक | 8873138821 |
| 78 | श्री अमरेन्द्र झा | एबीपी | उत्कर्ष लघु वित्त बैंक लिमिटेड | 9334616474 |
| 79 | श्रीमती शगुफ्ता आफरीन | एबीपी | जना लघु वित्त बैंक | 9905532110 |
| 80 | श्री अशोक पांडे | वीपी | फिनो पेमेंट बैंक | 7566668649 |
| 81 | श्री बिराज डेका | क्षेत्रीय प्रमुख | इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक | 9038224956 |
| 82 | श्री राजीव बनर्जी | एएसएम | पे टी एम | 7631024440 |
| 83 | श्री विनायक पाटिल | एबीपी- राज्य प्रमुख | एयरटेल पेमेंट बैंक | 9890999888 |
| 84 | श्री मुकेश कुमार मिश्रा | एबीपी | एयू लघु वित्त बैंक | 9835474216 |
| 85 | श्री संजीव कुमार | बोकारो | प्रमुख जिला प्रबंधक | 9430458214 |
| 86 | श्री देवव्रत शर्मा | चतरा | प्रमुख जिला प्रबंधक | 8002738027 |
| 87 | श्री राजेश कुमार सिन्हा | धनबाद | प्रमुख जिला प्रबंधक | 8406002014 |
| 88 | श्री संतोष कुमार | पूर्वी सिंहभूम | प्रमुख जिला प्रबंधक | 7260814454 |
| 89 | श्री आबिद हुसैन | गुमला | प्रमुख जिला प्रबंधक | 8451978491 |
| 90 | श्री बिनय कुजूर | खूंटी | प्रमुख जिला प्रबंधक | 8340514511 |
| 91 | श्री अजय राणा | कोडरमा | प्रमुख जिला प्रबंधक | 8789938263 |
| 92 | श्री रवीन्द्र प्रसाद | लोहरदगा | प्रमुख जिला प्रबंधक | 9931108187 |
| 93 | श्री संजीव कुमार | रामगढ़ | प्रमुख जिला प्रबंधक | 8709551260 |
| 94 | श्री श्रीकांत | रांची | प्रमुख जिला प्रबंधक | 9798967181 |
| 95 | श्री बीरेंद्र कुमार शिट | सरायकेला खारसवाँ | प्रमुख जिला प्रबंधक | 9572024420 |
| 96 | श्री संजीव कुमार चौधरी | सिमडेगा | प्रमुख जिला प्रबंधक | 7903780946 |
| 97 | श्री लक्ष्मी नारायण लांगुरी | पश्चिम सिंहभूम | प्रमुख जिला प्रबंधक | 8210786477 |
| 98 | श्री प्रवीण कुमार | दुमका | प्रमुख जिला प्रबंधक | 9903491709 |
| 99 | श्री धर्मेश पांडे | गोड्डा | प्रमुख जिला प्रबंधक | 7383400449 |
| 100 | श्री परमेश्वर मांझी | देवघर | प्रमुख जिला प्रबंधक | 9955996407 |
| 101 | श्री इंदु भूषण लाल | गढ़वा | प्रमुख जिला प्रबंधक | 9934363709 |
| 102 | श्री राम कृपाल बैठा | जामताड़ा | प्रमुख जिला प्रबंधक | 9341529204 |
| 103 | श्री शांति प्रसाद टोप्पो | लातेहार | प्रमुख जिला प्रबंधक | 7781011677 |
| 104 | श्री मनोज कुमार | पाकुर | प्रमुख जिला प्रबंधक | 9771438410 |
| 105 | श्री अनुकरण टर्की | पलामू | प्रमुख जिला प्रबंधक | 9934363710 |
| 106 | श्री सुधीर कुमार | साहिबगंज | प्रमुख जिला प्रबंधक | 9771438409 |